अभ्यास

भाषा बोध

शब्दार्थ

1. उत्सुकता- जानने की इच्छा
2. कंपाती सर्दी -कंपकंपी पैदा करने वाली ठंड
3. करिश्मा- चमत्कार
4. जर्जर -टूटा फूटा
5. सतरंगी -सात रंगों वाला
6. नुक्कड़- मोड़

इन मुहावरे/लोकोक्तियो का अर्थ लिखते

हुए वाक्य बनायें:--

- साफ-साफ कहना (स्पष्ट करना)मैंने उसे साफ साफ कह दिया कि मुझे तुम्हारा काम पसंद नहीं है ।
- टालमटोल करना (बहाने बनाना)उधार लिए पैसे वापस माँगने पर वह टालमटोल करने लगा ।
- अपना सा मुंह लेकर आ जाना(उदास होना) परीक्षा का परिणाम देखकर फेल विद्‍यार्थी अपना सा मुंह लेकर रह जाते हैं।
- पाँव जमाना (पकड़ मजबूत करना)मेरे बेटे ने व्यापार में पांव जमा लिए हैं।
- दिल मचलना (ललचाना) खिलौने देखकर बच्चों का दिल मचलता है।
- औंधे मुंह गिरना (शर्म महसूस करना) चौधरी साहब की बात सुनकर दोनों भाई औंधे मुंह गिर गए।
- हाथ में थमाना (देना) उसने कपड़े धोने के लिए मेरे हाथ में थमा दिए।
- अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत (नुकसान होने के बाद पछताने का कोई लाभ नहीं होता) सारा साल पढ़ने की ओर ध्यान नहीं दिया, अब फेल होने पर रोने से क्या लाभ! यह तो वही बात हुई अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।
- गहरी सोच में डूबना(चिंता में डूबना) बेटे को इंजीनियर कॉलेज में सीट ना मिलने पर पिता गहरी सोच में डूब गए।

विषय बोध

इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए----

- प्रश्न : रमेश और सुरेश में किस बात की समस्या थी ?
- उत्तर : रमेश और सुरेश में माँ पर किए जाने वाले खर्चे की समस्या थी ।

- प्रश्न : चौधरी साहब ने रमेश और सुरेश को क्या समझाया ?
- उत्तर : चौधरी साहब ने कहा कि सच बात तो यह है कि मैंने अपनी माँ को अपने पास नहीं रखा हुआ बल्कि मैं अपनी माँ के पास तब से रह रहा हूं जब से मेरा जन्म हुआ है। यह उसका सौभाग्य है कि वह अपनी माँ के पास रहता है।

- प्रश्न : दोनों भाइयों को क्या सीख मिली ?
- उत्तर :दोनों भाइयों को यह शिक्षा मिली कि माँ जिस बच्चे के साथ रहती है, यह उसका सौभाग्य होता है। उसके लिए बोझ नहीं।

- प्रश्न : स्वाभिमान का क्या अर्थ है ?
- उत्तर : स्वाभिमान का अर्थ है "अपनी योग्यता पर मान करना"।

- प्रश्न : छोटा सा लड़का क्या काम करता था ?
- उत्तर : छोटा सा लड़का अखबार बाँटने का काम करता था।

- प्रश्न : लेखक ने जब उसे कॉपियां देनी चाही तो उसने क्या उत्तर दिया ?
- उत्तर : उसने उत्तर दिया कि वह खुद कापियाँ ले सकता है, जो नहीं ले सकते उन्हें दीजिए।

- प्रश्न : चुन्नू ने माँ की अलमारी से क्या निकाला ?
- उत्तर : चुन्नू ने माँ की अलमारी से 50 का नोट निकाला।

- प्रश्न : पचास के नोट का उसने क्या किया ?
- उत्तर : पचास के नोट के उसने पटाखे खरीदे।

- प्रश्न : चुन्नू ने माँ की दवाई के लिए पैसे कैसे जुटाए ?
- उत्तर : चुन्नू ने रंग बिरंगे कागज के फूल बनाकर बेचे और माँ की दवाई के लिए पैसे जुटाए।

व्यावहारिक व्याकरण

निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग/ प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनायें :----

उपसर्ग + मूल शब्द = नया शब्द

1. बे + रोक = बेरोक
2. बे + काबू = बेकाबू
3. बे + शर्म = बेशर्म
4. बे + कार = बेकार

मूल शब्द + प्रत्यय= नया शब्द

1. खुश+ई = खुशी

2. निर्भीक+ता = निर्भीकता
3. कोमल+ता = कोमलता
4. नम्रता = नम्रता

पर्यायवाची शब्द लिखें:----

1. अखबार - समाचार पत्र, खबरनामा
2. खुद - स्वयं, आप
3. मदद - सहायता, साथ देना
4. बीमार - रुग्ण , रोगी
5. फूल - पुष्प , सुमन
6. जेब - खीसा , पाकेट
7. माँ - जननी , अम्बा

कलाकार शब्द कला+कार से मिलकर बना है।इसी प्रकार अन्य शब्द बनायें:----

1. चित्र + कार = चित्रकार
2. मूर्ति +कार = मर्तिकार
3. नाटक+कार = नाटककार
4. संगीत+कार = संगीतकार
5. साहित्य+कार = साहित्यकार

बहुवचन रूप लिखें:----

1. कापी कापियाँ
2. दवाई दवाइयाँ
3. पोटली पोटलियाँ

4. चारपाई चारपाइयाँ
5. अलमारी अलमारियाँ
6. चिड़िया चिड़ियाँ
7. गुड़िया गुड़ियाँ
8. लुटिया। लुटियाँ
9. बुढ़िया बुढ़ियाँ

आत्म-बोध

कार्य कोई भी छोटा नहीं होता,उसके पीछे मन की भावना महान होनी चाहिए।

रचना बोध

आप अपने परिवार/ पड़ोस /मित्र / संबंधी की क्या सहायता कर सकते हैं ? सोचिए और लिखिए ।

किसी की सहायता करने से ना केवल दूसरे का भला होता है अपितु अपने आप को भी शांति मिलती है। यह सौभाग्य की बात होती है कि परमात्मा ने इस योग्य बनाया है कि समय पड़ने पर हम किसी की सहायता कर सकें।सहायता करने की कोई सीमा रेखा नहीं होती इसलिए अपनी समर्था के अनुसार मैं अपने मित्रों,परिजनों एवं भाई-बन्धुओं की हर प्रकार की सहायता करने के लिए तैयार रहती हूं।

विशेष रूप से पढ़ाई के विषय में मुझे किसी की सहायता करना बहुत अच्छा लगता है। गली - मोहल्ले में भी अगर कोई बच्चा मुझसे कुछ पूछने आ जाता है तो मुझे जितना उसके बारे में ज्ञान हो, मैं पूरा मन लगाकर पढ़ाती हूं ।अगर कोई बच्चा पढ़ने का इच्छुक है और खर्चे के कारण अपनी पढ़ाई नहीं कर पा रहा है, मैं अपने माता-पिता की मदद से जितना हो सके उसकी भी सहायता करना अपना परम कर्तव्य समझती हूं क्योंकि **शिक्षित करने के क्षेत्र में की गई हर प्रकार की सहायता समाज को सुदृढ़ बनाने की ओर पहला कदम है।**

		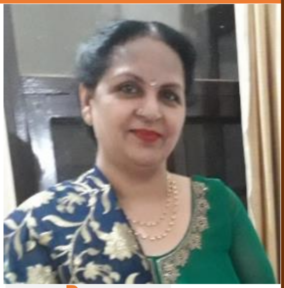	
मार्गदर्शक : डॉ. सुनील बहल, स्टेट रिसोर्स पर्सन (हिंदी व पंजाबी)	**प्रस्तुति : सिम्मी, वैदिक गर्ल्ज़ सीनियर सैकण्डरी स्कूल, अमृतसर**	**संशोधन : सरिता शर्मा, को-ओरडिनेटर एडिड स्कूल, अमृतसर**	**संयोजक : राजन, डीएम, हिन्दी, अमृतसर**